3. शब्द विचार

भाषा तीन चरणों में चलती है - पहला वर्ण, दूसरा शब्द और तीसरा वाक्य। इन तीनों के क्रमबद्ध, व्यवस्थित तथा सार्थक समूह से भाषा पूर्ण होती है। बच्चे जानते हैं कि वर्णों का क्रमबद्ध समूह वर्णमाला कहलाता है। अब बच्चे जानेंगे कि वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं पर वर्णों का यह मेल सार्थक होना चाहिए।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका शब्द के बारे में समझाते हुए बताएँ कि जिस शब्द को सुनकर हमारे मन में कोई चित्र या आकृति उभरती है अथवा उसका कोई अर्थ निकले, वह सार्थक शब्द होता है।
- ❖ अब इसी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ पृष्ठ 15 पर दिए शब्दों की ओर ध्यान आकर्षित करें। हमल, नतबर, ठलापाश, वादज़ार। इन शब्दों से न तो कोई अर्थ निकल रहा है और न ही इनकी किसी आकृति का आभास हो पा रहा है। अत: ये शब्द नहीं हैं। पर जब इनके वर्णों को उचित क्रम में रखा गया तो - महल, बरतन, पाठशाला, दरवाज़ा सार्थक शब्दों का जन्म हुआ। इन शब्दों को सुनते या बोलते ही एक निश्चित आकृति हमारे मन में उभर आती है। इस प्रकार बच्चों को शब्द से परिचित कराएँ।
- ❖ उन्हें शब्द की परिभाषा याद करवाएँ।
- ❖ बच्चों की रुचि बनाए रखने के लिए उनसे जुड़े कुछ प्रश्न पूछें, जैसे - ऐसा कौन-सा एक शब्द है जो आप अपने दैनिक जीवन में रोज़ाना बोलते हैं। क्या वह शब्द है अथवा नहीं आदि प्रश्नों द्वारा बच्चों का रुझान बनाए रखें।
- ❖ शब्दों के प्रकार के बारे में बच्चों को बताएँ। समझाएँ, हिंदी भाषा में अनगिनत शब्द हैं। अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के हैं – सार्थक शब्द और निरर्थक शब्द।
- ❖ सार्थक और निरर्थक शब्दों से परिचित करवाते हुए बताएँ, सार्थक शब्दों का अर्थ होता तथा निरर्थक शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता। जैसे हम बोलते हैं - चाय-वाय, पानी-वानी, चीनी-वीनी आदि। इन शब्दों में चाय, पानी और चीनी सार्थक शब्द हैं पर वाय, वानी और वीनी निरर्थक।
- ❖ सुनिश्चित कर लें कि बच्चे सब समझ गए हैं, तदुपरांत पाठ अभ्यास करवाएँ।